आईसीएआई के अध्यक्ष ने कहा- उत्पादन व्यय न्यूनतम स्तर पर लाना होगा

उत्पादकता व्यय कटौती बिना मेक इन इंडिया नहीं

> उत्पादकता व्यय में कटौती के बिना मेक इन इंडिया का सपना साकार नहीं हो सकता। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्पादन व्यय को न्यूनतम स्तर पर लाना ही होगा। कास्ट एकाउंट्स इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

रविवार को आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए इंस्टीट्यूट्स आफ कास्ट एकाउंट्स आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीवी भट्टर व उपस्थित अन्य अतिथि।

हरिभूमि न्यूज. बिलासपुर

इंस्टीट्यूट्स आफ कास्ट एकाउंट्स आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीवी भट्टर ने ये बातें कही। श्री भट्टर होटल आनंदा इंपीरियल में आईसीएआई के कार्यक्रम में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। श्री भट्टर ने कहा कि आईसीएआई देश की एकमात्र संविधिक संस्था है, जो सरकारों व उद्योग जगत को उत्पादन व्यय संबंधी सभी सलाहें देती है। उन सलाहों में उत्पादन व्यय संबंधी तमाम कटौतियां के साथ ही उद्योग के विस्तार व बेहतर संचालन संबंधी दिशा-निर्देश शामिल होते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा भयावह

अंर्तराष्ट्रीय गलाकाट प्रतिस्पर्धा को भयावह बताते हुए श्री भट्टर ने कहा कि बेहतर नीतियों, उत्पादन व्यय में कटौती व कुशल प्रबंधन से ही इससे निपटा जा सकता है।

उत्पादन व्यय को न्यूनतम स्तर पर लाए बिना विकास को कोई भी माडल सफल नहीं हो सकता। उन्होंने सरकार को जीएसटी संबंधी कर प्रणाली अपनाने में कास्ट एकांउटिंग को प्रमुख बताया। समान कर प्रणाली आज उद्योग की आवश्यकता है, स्थान विशेष पर करों का भारी अंतर अंर्तराष्ट्रीय बाजार से निपटने में सक्षम नहीं है। अंर्तराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर अत्यंत सक्रिय भागीदारिता का उदाहरण देते हुए श्री भट्टर ने कहा कि विभिन्न मोर्चों पर चल रहे अंर्तराष्ट्रीय दबावों व औद्योगिक नीतियों को लागू करने की दिशा में सरकार के साथ कदम-ताल मिला कर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जीएसटी को अगले वित्तीय वर्ष से लागू किए जाने को आवश्यक बताते हुए कहा कि इंटरनेशनल स्तर पर हो रही प्रतिस्पर्धा से निपटने के लिए ये आवश्यक है। श्री खट्टर ने सरकार के वित्त व उद्योग संबंधी संस्थाओं विशेषकर एसोचैम के साथ मिलकर उद्योगों के विस्तार का साझा मंच तैयार किया है। स्किल डेवलपमेंट, मैक्सिमम यूटिलाइजेशन आफ मैनपावर, एडवर्टिजमेंट समेत अन्य सभी कार्यों में आईसीएआई की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बिलासपुर चेप्टर के लिए उपलब्धि

बिलासपुर चेप्टर के अध्यक्ष दीपेन मेहरा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि बिलासपुर चेप्टर के लिए बड़ी उपलब्धि है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का आगमन हुआ है। श्री खट्टर आईसीएआई को बुलंदियों पर ले जाने के लिए संकल्पित हैं तथा प्रदेश के सीएमए व प्रशिक्षुओं को उनके सहयोग व मार्गदर्शन का लाभ मिलेगा। श्री मेहरा ने कास्ट मैनेजमेंट को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि इसमें प्रक्रिया, सामग्री, उत्पाद डिजाइन, संचालन विधि जैसे कई अवयवों को शामिल करते हुए प्रबंधन लाभ के बाद लागत पर विचार किया जाता है। उन्होंने कास्ट एकाउंट को स्वास्थ्य क्षेत्र में अच्छा कार्य करने तथा बेस्ट प्रैक्टिस के कार्यान्वयन एवं कास्टिंग सिस्टम में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया। जिससे मरीजों के साथ अस्पतालों को भी फायदा हो रहा है। उन्होंने सभी छोटे-मझोले अस्पताल को कास्ट एकाउंटिंग से जुड़ने की सलाह देते हुए कहा कि इससे उन्हें फायदा होगा तथा लागत व्यय में कमी लाने में सहायता मिलेगी।

आईसीएआई के सचिव श्रीराम महाकालिन्वार ने कंपनीज एक्ट 2013 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कंपनीज एक्ट 2013 में विभिन्न बदलावों को शामिल किया गया है। जिसे अपडेट करने के लिए आईसीएआई सभी प्रशिक्षुओं व सीएमए को प्रशिक्षित करती है।

क्षमताओं में कैसे करें विस्तार : भट्टर

श्री कलाम के विजन-2020 में आईसीएआई की भूमिका को प्रमुख बताते हुए श्री भट्टर ने कहा कि उत्पाद को गुणवत्ता के साथ न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए संघ ने महत्वपूर्ण कार्य किया है। इसमें रिकार्डस को अपडेट करना, हो रहे तमाम खर्चों व करों को निष्पादित करने में तत्परता दिखाना तथा एसएमएसई जैसे छोटे उद्योगों को भी कास्ट एकाउंट्स अपनाकर उत्पादन क्षमताओं में विस्तार करना शामिल है। इसके साथ ही एडवर्टिजमेंट के भयावह दौर में प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए सभी विज्ञापनों का सहारा लेना चाहिए। कास्ट एकाउंटिंग उत्पाद व्यय के साथ इन सभी व्ययों को शामिल कर विकास की पूर्ण रुपरेखा तय करता है।